भारत के शास्त्रीय नृत्य

भारत के शास्त्रीय नृत्य

- शास्त्रीय नृत्यों के संबंध में जानकारी प्रदान करने वाला प्रथम लोकप्रिय स्रोत भरत मुनि का नाट्यशास्त्र है।

दो आधारभूत तत्त्व

लास्य
- इसमें लालित्य, भाव, रस तथा अभिनय निरुपित होते हैं।
- यह नारी की विशेषताओं का प्रतीक है।

तांडव
- इसमें लय तथा गति पर अधिक बल दिया जाता है।
- यह नर अभिमुखताओं का स्वरुप है।

तीन आधारभूत तत्त्व (नंदिकेश्वर के प्रसिद्ध ग्रंथ अभिनय दर्पण के अनुसार)

नृत्त
- नृत्य का आधारभूत पद संचालन
- लयबद्ध निरुपण
- अभिव्यक्ति या मनोदशा का समावेश नहीं

नाट्य
- नाटकीय निरुपण
- नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत कथा का निरुपण

नृत्य
- नर्तन के माध्यम से रस तथा भावों का वर्णन
- नर्तन में अभिव्यक्ति की विभिन्न विधियाँ या मुद्राएँ

- आधारभूत मुद्राओं की संख्या 108 है, जिनमें से प्रत्येक का प्रयोग विशिष्ट भाव का चित्रण करने के लिये किया जाता है।
- संगीत नाटक अकादमी के अनुसार, वर्तमान में भारत में आठ शास्त्रीय नृत्य विधाएँ हैं।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य विधाएँ

- भरतनाट्यम – तमिलनाडु
- कथक – उत्तरी भारत
- कथकली – केरल
- कुचिपुड़ी – आंध्रप्रदेश
- मणिपुरी – मणिपुर
- मोहिनीअट्टम – केरल
- ओडिसी – ओडिशा
- सत्रिया – असम

Drishti IAS

और पढ़ें...

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/classical-dance-of-india-1